



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 232]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 15, 2013/आश्विन 23, 1935

No. 232]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 15, 2013/ASVINA 23, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 2013

अंतिम जांच परिणाम

विषय : वियतनाम के मूल की या वहां से निर्यातित सभी प्रकार की रिकार्डबल डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क (डी वी डी) के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के बारे में मध्यावधि समीक्षा (एम टी आर) जांच – अंतिम जांच परिणाम ।

फाइल सं. 15/5/2012-डीजीएडी.— यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे "नियमावली" कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है), ने पाटनरोधी शुल्क को निरंतर जारी रखने की जरूरत और इस बात की समीक्षा करने कि क्या पाटनरोधी शुल्क में संशोधन करना अपेक्षित है, के लिए सीमा शुल्क टैरिफ (संशोधित) अधिनियम, 1995 और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार 16 अगस्त, 2012 को वियतनाम (जिसे आगे सम्बद्ध देश का कहा गया है) से सभी प्रकार की "रिकार्डबल डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क" (डी वी डी) पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा शुरू की थी। यह स्मरणीय है कि मलेशिया, थाइलैंड और वियतनाम के मूल की या वहां से निर्यातित सभी प्रकार की रिकार्डबल डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क (डी वी डी) के आयातों के खिलाफ 5 मई, 2009 को मूल जांच शुरू की थी। मलेशिया, थाइलैंड और वियतनाम से सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर प्राधिकारी के 13 नवम्बर, 2009 के प्रारंभिक जांच परिणामों के आधार पर 12 अप्रैल, 2010 को सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 48/2010-सीमाशुल्क के तहत अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। अंतिम जांच परिणाम 2 जुलाई, 2010 की अधिसूचना के तहत अधिसूचित किए गए थे और राजस्व विभाग ने 28 सितम्बर, 2010 की अधिसूचना संख्या 98/2010-सीमाशुल्क के तहत मलेशिया, थाइलैंड और वियतनाम से सम्बद्ध वस्तु पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया था।

2. और यतः नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी के लिए पाटनरोधी शुल्क को निरंतर लगाए जाने की जरूरत की समय-समय पर समीक्षा करना अपेक्षित है और यदि प्राप्त सकारात्मक सूचना के आधार पर इस बात से संतुष्ट होने पर कि ऐसे शुल्क को निरंतर लागू रखने का कोई औचित्य नहीं है तो प्राधिकारी केंद्र सरकार को यथोचित सिफारिश कर सकते हैं। उक्त प्रावधान के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हुए मैसर्स स्टोरेज मीडिया प्रोडक्ट्स मैनुफैक्चरर्स एंड मार्केटर्स वेलफेयर एसोसिएशन (जिसे आगे आवेदक या याचिकाकर्ता भी कहा गया है) से एक आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें वियतनाम (जिसे सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल की या वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की जरूरत की पुष्टि की गई थी और सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की राशि बढ़ाने/उसमें संशोधन करने का अनुरोध किया गया था। घरेलू उद्योग ने अन्य आधारों के साथ-साथ यह अनुरोध किया कि मूल जांच की जांच अवधि के दौरान विद्यमान परिस्थितियों में भारी परिवर्तन हो गया है जिससे ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जब वियतनाम से सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर लगाया गया पाटनरोधी शुल्क इस समय विद्यमान पाटनमार्जिन और क्षतिमार्जिन से कम हो गया है और उन्होंने पाटनरोधी शुल्क की राशि में आगे संशोधन करने का अनुरोध किया है। समीक्षा शुरू करने के लिए परिस्थितियों में यह परिवर्तन उचित माना गया था।

3. 2 जुलाई, 2010 की अधिसूचना संख्या 14/16/2009—डीजीएडी के तहत अधिसूचित अंतिम जांच परिणाम की समीक्षा का निर्णय लेने के बाद प्राधिकारी ने सीमा शुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार वियतनाम से आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क को निरंतर लागू रखने की जरूरत और इस बात की समीक्षा करने कि क्या पाटनरोधी शुल्क के स्वरूप या उसकी मात्रा में संशोधन करना अपेक्षित है, के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित सीमा शुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9क (5) के प्रावधानों के अंतर्गत 16 अगस्त, 2012 को मध्यावधि समीक्षा जांच शुरू की। सम्बद्ध पाटनरोधी जांच को पूरा करने और अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित करने के लिए केंद्र सरकार ने 15 अक्टूबर, 2013 तक समय विस्तार की अनुमति प्रदान की।

प्रक्रिया

4. इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:-

- i. समीक्षा की शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने भारत स्थित सम्बद्ध देश के दूतावास, उपलब्ध पतों के अनुसार सम्बद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भेजीं और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
- ii. उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार प्राधिकारी ने आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां सम्बद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों और दूतावास को उपलब्ध कराईं।
- iii. नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मांगने के लिए प्राधिकारी ने सम्बद्ध देश के सभी ज्ञात उत्पादकों और/अथवा निर्यातकों को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के साथ प्रश्नावली भेजी। परन्तु सम्बद्ध देशों के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया।
- iv. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में सम्बद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों को संगत प्रश्नावलियां भेजी गई थीं। परन्तु किसी भी आयातक ने निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से प्रश्नावली का कोई उत्तर दायर नहीं किया।
- v. यह जांच 1.4.2011 से 31.3.2012 की अवधि के लिए की गई थी। तथापि, क्षति जांच 2008-09 से लेकर जांच अवधि की समाप्ति तक की अवधि के लिए की गई थी।
- vi. जांच अवधि और पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए भारत में सम्बद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) कोलकाता से अनुरोध किया गया था। डी जी सी आई एंड एस से सूचना प्राप्त हो गई थी और प्राधिकारी द्वारा उसकी जांच भी की गई है।
- vii. प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसार मौखिक रूप से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान करने हेतु 1 मई, 2013 को मौखिक सुनवाई आयोजित की जिसमें घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हुए मैसर्स स्टोरेज मीडिया प्रोडक्ट्स मैनुफैक्चरर्स एंड मार्केटर्स वैलफेयर एसोसिएशन के सदस्य ने भाग लिया था। सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाले पक्षकारों में मौखिक रूप से प्रस्तुत सूचना के लिखित अनुरोध दायर करने की सलाह दी गई थी। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त इन लिखित अनुरोधों पर विचार किया है। तथापि सम्बद्ध देश के किसी भी उत्पादक/निर्यातक या आयातक ने सार्वजनिक सुनवाई में भाग नहीं लिया और कोई अनुरोध दायर नहीं किया है। जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों और प्रदत्त सूचना/साक्ष्य पर प्राधिकारी द्वारा उस सीमा तक यथोचित विचार किया गया है जिस सीमा तक वे वर्तमान जांच के लिए संगत माने गए हैं।
- viii. जांच के दौरान प्राधिकारी ने प्रस्तुत सूचना की पर्याप्तता और सत्यता के बारे में स्वयं को संतुष्ट किया। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने संगत और आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग का मौके पर सत्यापन किया। घरेलू उद्योग से क्षति के बारे में अतिरिक्त/पूरक ब्यौरे मांगे गए थे जो प्राप्त भी हो गए थे।
- ix. उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है।
- x. नियम 6(7) के अनुसार प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण प्राधिकारी द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के जरिए उपलब्ध कराया और उसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।
- xi. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) और आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में उत्पादन की इष्टतम लागत और सम्बद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए लागत जांच की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटनमार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xii. जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज किए हैं।
- xiii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं।
- xiv. ***यह चिह्न अंतिम जांच परिणाम में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमों के अंतर्गत उसे गोपनीय ही माना है।
- xv. इस जांच में ली गई गई विनिमय दर 1 अमरीकी डालर के लिए 48.14 रूपए है।

विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

5. मूल जांच और वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच में शामिल उत्पाद "सभी प्रकार की रिकार्डबल डिजिटल वर्सेटायल डिस्क (डी वी डी)" है। डीवीडी अनेक प्रकार की हो सकती है जैसे कि डीवीडी-आर, डीवीडी +आर, डीवीडी-आरडब्ल्यू, डीवीडी +आर डब्ल्यू, मिनी डीवीडी-आर, मिनी डीवीडी-आर डब्ल्यू। डीवीडी को एक बार या कई बार रिकार्ड किया जा सकता है। एकतरफा (एस एस) डिस्क में एक तरफ रिकार्डिंग होती है जबकि दूसरी तरफ

डमी होती है जबकि दुतरफा (डी एस) में दोनों तरफ रिकार्डिंग होती है। डीवीडी – आर तथा डीवीडी +आर डिस्क की रिकार्डिंग वाली तरफ अनेक परतों की एक सेंडविच होती है।

ग.1 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

6. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई टिप्पणी या अनुरोध दायर नहीं किया है।

ग.2 घरेलू उद्योग के विचार

7. वर्तमान जांच एक मध्यावधि समीक्षा जांच है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्ववर्ती जांचों में विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के मुद्दे की जांच की है जिस पर भरोसा किया गया है। याचिकाकर्ता ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में पूर्ववर्ती जांचों के जांच परिणामों पर विचार करें और उन्हें बरकरार रखें।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

8. मूल जांच और वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच में शामिल उत्पाद "सभी प्रकार की रिकार्डबल डिजिटल वर्सेटायल डिस्क (डी वी डी)" है। डीवीडी अनेक प्रकार की हो सकती है जैसे कि डीवीडी-आर, डीवीडी +आर, डीवीडी-आरडब्ल्यू, डीवीडी + आर डब्ल्यू, मिनी डीवीडी-आर, मिनी डीवीडी-आर डब्ल्यू। डीवीडी को एक बार या कई बार रिकार्ड किया जा सकता है। एकतरफा (एस एस) डिस्क में एक तरफ रिकार्डिंग होती है जबकि दूसरी तरफ डमी होती है जबकि दुतरफा (डी एस) में दोनों तरफ रिकार्डिंग होती है। डीवीडी – आर तथा डीवीडी + आर डिस्क की रिकार्डिंग वाली तरफ अनेक परतों की एक सेंडविच होती है।

- मास्टरिंग: ऑप्टिकल डिस्क के लिए मास्टर तैयार करने की प्रक्रिया को आमतौर पर "मास्टरिंग" कहा जाता है जिसमें अंतिम चरण पर निकल या इसी प्रकार के धात्विक मास्टर अर्थात् "स्टाम्पर" को तैयार किया जाता है। परवर्ती मोल्डिंग प्रक्रिया में मोल्ड के रूप में स्टाम्पर के उपयोग से अनेकों ऑप्टिकल डिस्क को तैयार किया जाता है।
- मोडिंग: सर्वप्रथम पोलिकार्बोनेट प्लास्टिक की तरह होती है जिसमें अंदर से लेकर डिस्क के बाहरी व्यास तक हल्की स्पायरल ग्रब होती है।
- डाई कोटर: इस भाग में रिक्त सतह पर एक कार्बनिक डाई रिकॉर्डिंग पर (एजैडओ) लगाई जाती है। यह परत रिकार्डिंग परत के रूप में कार्य करती है। डाई का उपयोग डीसी स्पटरिंग के जरिए स्पिन कोटिंग तथा धातु की परतों के माध्यम सक्रियता जाता है।
- स्पटर (धात्विकरण): डिस्क पर धातु की एक चमकदार परत (चांदी) लगाई जाती है।
- बॉन्डिंग: तत्पश्चात् एक आसंजक द्वारा दोनों रिकॉर्डिंग तरफों (दोतरफा हेतु) या एक रिकॉर्डिंग तथा डमी की तरफ (इकतरफा हेतु) को अंतिम डिस्क में जोड़ दिया जाता है। कुछेक इकतरफा डिस्क को भी अलंकरणों या अतिरिक्त लेयर्स के साथ डमी की तरफ सबसे उपर लगा दिया जाता है जिससे उसकी सतह इंकजेट, थर्मल ट्रांसफर या रिट्रांसफर प्रिंटरों द्वारा लेवलिंग करने के लिए उपर्युक्त बन जाती है। बॉन्डिंग एक हॉट मेल्ट, यू वी कैंशनिंग या फ्री रेडिकल प्रोसेस के उपयोग से की जाती है।
- प्रिंटिंग: तत्पश्चात् प्रिंटिंग की जाती है और डिजाइन का उपयोग स्क्रीन प्रिंटिंग पद्धति से किया जाता है।
- डीवीडी-आरडब्ल्यू तथा डीवीडी+आरडब्ल्यू की संरचना: डीवीडी-आरडब्ल्यू तथा डीवीडी + आरडब्ल्यू डिस्क पर सूचना को न केवल लिखने अपितु कई बार पुनः लिखने की संरचना डीवीडी-आर तथा डीवीडी+आर (रिकॉर्डेबल) की संरचना से अधिक जटिल होती है। रिकार्डबल डिस्क के समान ही कोई रिकार्डेबल डिस्क एकतरफा या दोतरफा हो सकती है। किसी रिकार्डेबल डिस्क की रिकार्डिंग वाली तरफ में भी एक पॉलीकार्बोनेट प्लास्टिक की तह जो हल्की स्पायरल ग्रूव से लगाई जाती है से लेकर डिस्क के अंदरूनी या बाहरी व्यास तक अनेक परतों का उपयोग किया जाता है।
- तत्पश्चात् डाई इलेक्ट्रिक प्लेट (जिंग सल्फाइट तथा सिलिकॉन डाई ऑक्साइड) लगाई जाती है जिसके बाद फेज-चेंज अलॉय रिकॉर्डिंग परत (इंडियम, चांदी, टेलूरियम तथा एंटीमनी या जर्मेनियम, टेलूरियम तथा एंटीमनी में से कोई भी), एक अन्य डाई इलेक्ट्रिक प्लेट तथा धातु की एक चमकदार प्लेट (चांदी, सिल्वर अलॉय, एल्यूमिनियम) लगाई जाती है। डाई इलेक्ट्रिक प्लेटों के उपर या नीचे अतिरिक्त प्लेट (जर्मेनियम नाइट्राइड, सिलिकॉन कार्बाइड, सिलिकॉट डाई आक्साइड, सिलिकॉन सल्फाइट, जिंग सल्फाइट, एंटीमनी टेल्यूराइट तथा अन्य) भी लगाई जा सकती हैं।
- डमी की तरफ धातु की अतिरिक्त प्लेट के साथ कई बार एक फ्लैट पॉलीकार्बोनेट प्लास्टिक की तरह लगा दी जाती है। तत्पश्चात् एक आसंजक द्वारा दोनों तरफों को एक डिस्क में चिपका दिया जाता है।

9. यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 85 के उपशीर्ष सं. 85232920, 85232950, 85232970, 85234040, 85234050, 85234060, 8523480, 8523409, 85238090, 85235290, 85238050, 85239010, 85239040, 85239050 तथा 85239090 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

10. रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य और जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के दायरे को वही रखना उचित समझते हैं जैसा कि इसे पूर्व में माना गया था।

11. इस बात का निर्धारण करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु को सम्बद्ध देशों में उत्पादित और/अथवा वहां से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु माना जा सकता है। यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने इस मुद्दे की जांच की है और प्राधिकारी के पूर्ववर्ती निर्धारण का विरोध करते हुए प्राधिकारी को कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है। विधिवत जांच करने के बाद प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सामग्री नियमों के अर्थ के भीतर सम्बद्ध देशों में उत्पादित या वहां से आयातित वस्तु के समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग

12. यह याचिका घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स स्टोरेज मीडिया प्रोडक्ट्स मैन्यूफैक्चरर्स एंड मार्केटर्स वैलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर की गई थी। इसकी सदस्य कंपनियों में से एक कंपनी मैसर्स मोजर वेयर इंडिया लिमिटेड ने संगत वित्तीय सूचना प्रदान की है।

घ.1 घरेलू उद्योग के विचार

13. यह याचिका सभी प्रकार की रिकार्डेबल डिजिटल वर्सेटायल डिस्क (डी वी डी) के उत्पादकों की ओर से स्टोरेज मीडिया प्रोडक्ट्स मैनुफैक्चरर्स एंड मार्केटर्स वैलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर की गई थी। वियतनाम से डी वी डी के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसे बढ़ाने के लिए आवेदन दायर करने हेतु इसकी सदस्य कंपनियों में से एक कंपनी मैसर्स मोजर वेयर इंडिया लिमिटेड ने संगत वित्तीय सूचना प्रदान की है। याचिका में उल्लिखित आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि— (क) याचिकाकर्ता का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है; (ख) यह आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से दायर किया गया है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए यह अनुरोध किया गया था कि याचिकाकर्ता आवेदन दायर करने के आधार की जरूरत को पूरा करता है। याचिकाकर्ता कंपनी पाटनरोधी नियमों के अनुसार "घरेलू उद्योग" है।

घ.2 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

14. याचिकाकर्ता के आधार और घरेलू उद्योग के रूप में उस पर विचार किए जाने के बारे में किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता और अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई टिप्पणी या अनुरोध नहीं किए हैं।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

15. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ शेष उत्पादकों के उल्लेख के रूप में निकाला जाएगा।"

16. समीक्षा जांच नियमावली के नियम 23 के अनुसार मैसर्स स्टोरेज मीडिया प्रोडक्ट्स मैनुफैक्चरर्स एंड मार्केटर्स वैलफेयर एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत विधिवत पुष्टिकृत अनुरोध के आधार पर शुरू की गई है। वियतनाम से डी वी डी के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसे बढ़ाने के लिए आवेदन दायर करने हेतु मैसर्स मोजर वेयर इंडिया लिमिटेड ने संगत वित्तीय सूचना प्रदान की है। याचिकाकर्ता के दावे और स्थिति के बारे में किसी हितबद्ध पक्षकार से कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है। रिकार्ड में उपलब्ध सूचना से इस बात की पुष्टि होती है कि याचिकाकर्ता का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा भाग (87%) बनता है और अन्य किसी घरेलू उत्पादक ने उन्हें प्रदत्त अवसर के बावजूद संगत सूचना प्रदान नहीं की है। अन्य उत्पादकों अर्थात् यूरो मल्टी विजन लिमिटेड, जूपिटल इंटरनेशनल लि0, नेक्स्टस्टार डिजिटल का हिस्सा भारतीय उत्पादन का शेष 13 प्रतिशत बनता है। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि याचिकाकर्ता उपर्युक्त नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है।

ड. पाटन मार्जिन

17. 9(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

(i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

(ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:—

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

ड.1 घरेलू उद्योग के विचार

18. इस बारे में घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं:

(क) सम्बद्ध देश के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्राधिकारी द्वारा जारी प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। अतः निर्यातकों/उत्पादकों को नियम 6(8) के अनुसार असहयोगी माना जाना चाहिए और प्राधिकारी को सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए।

(ख) वियतनाम के प्रमुख निर्यातक अर्थात् मैसर्स रीटेक वियतनाम कंपनी लि0 ने वर्तमान जांच को छोड़कर विचाराधीन उत्पाद और सी डी आर के बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई सभी जांचों में उत्तर दिया है। इससे इस बात का स्पष्ट पता चलता है कि कंपनी को भलीभांति इस तथ्य की जानकारी है कि वह भारतीय बाजार में उत्पाद का पाटन कर रही है परन्तु उसने वर्तमान जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है।

(ग) सामान्य मूल्य या निर्यात कीमत में परिवर्तन स्वतः परिवर्तित परिस्थिति होने का साक्ष्य है। वर्तमान मामले में न केवल सामान्य मूल्य या निर्यात कीमत में परिवर्तन हुआ है अपितु मापदंडों में भी परिवर्तन हुआ है। जहां सामान्य मूल्य में वृद्धि हुई है वहीं निर्यात कीमत में गिरावट आई है। इस प्रकार पाटनमार्जिन में भारी परिवर्तन हुआ है।

(घ) याचिकाकर्ता ने पोली कार्बोनेट की कीमत में परिवर्तन के कारण उत्पादन लागत में परिवर्तनों के आधार पर सामान्य मूल्य में परिवर्तन माना है जो काफी अधिक है।

(ड.) वियतनाम से डीवीडी की आयात कीमत में लगभग 34 प्रतिशत की गिरावट आई है। कीमत में यह गिरावट निम्नलिखित तथ्यों को बावजूद आई है कि (क) पोली कार्बोनेट का हिस्सा कच्ची सामग्री की लागत का लगभग 61 प्रतिशत बनता है, (ख) सामग्री की लागत उत्पादन लागत का एक बड़ा भाग है, (ग) पोलीकार्बोनेट की कीमतों में अमरीकी डालर के रूप में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्पष्ट तौर पर कीमतों में गिरावट लागत में आई गिरावट के कारण नहीं आई है। कीमत में गिरावट स्पष्ट तौर पर देश में उत्पाद का पाटन बढ़ने के कारण आई है।

(च) पूर्ववर्ती जांच के बाद पाटनमार्जिन में भारी वृद्धि हुई है।

प्रकटन विवरण जारी होने के बाद घरेलू उद्योग की टिप्पणियां

19. प्रकटन विवरण जारी होने के बाद प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां निम्नानुसार हैं :

क. वर्तमान जांच अवधि में पाटनमार्जिन और क्षतिमार्जिन मूल जांच के समय विद्यमान पाटनमार्जिन और क्षतिमार्जिन से काफी अधिक है।

ख. रीटेक ने मूल जांच में उत्तर दिया है परन्तु वर्तमान जांच में सहयोग नहीं किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को क्षति निर्धारण हेतु सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना लागू करनी चाहिए।

ग. वर्तमान मध्यावधि समीक्षा की मांग बढ़े हुए पाटन और क्षति के मद्देनजर की गई थी। प्रकटन विवरण से यह पुष्टि होती है कि पाटन में तेजी आई है और घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।

घ. यद्यपि कच्ची सामग्री की कीमत में वृद्धि के कारण उत्पादन लागत बढ़ी है तथापि, आयात कीमत में गिरावट आई है। इस प्रकार निर्यातक ने पाटनरोधी शुल्क को समाहित कर लिया है।

ड. पाटनरोधी शुल्क की वर्तमान राशि को बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

च. इस बात पर विचार करते हुए कि मौजूदा शुल्क निर्धारित राशि के आधार पर है, पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश अमरीकी डालर में व्यक्त नियत राशि के आधार पर की जाए।

ड. 2 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

20. पाटनमार्जिन के निर्धारण के बारे में किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक या अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई टिप्पणी या अनुरोध दायर नहीं किया है।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

21. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच इस अंतिम जांच परिणाम में उचित शीर्षों के अंतर्गत की है।

वियतनाम में सामान्य मूल्य

22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वियतनाम के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने कोई उत्तर दायर नहीं किया है। उक्त देश में किसी उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रश्नावली के अनुसार वास्तविक घरेलू बिक्री कीमत के बारे में सूचना, तीसरे देश को हुए निर्यात से संबंधित सूचना अथवा वियतनाम में उत्पादन लागत तथा अन्य सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है। इसलिए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर भरोसा किया है। याचिकाकर्ता ने परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर वियतनाम में सामान्य मूल्य के ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं।

23. निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से निर्यातकों की ओर से किसी उत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(8) के साथ पठित धारा 9क(1) ग के अनुसार उत्पादन लागत के अनुमान के आधार पर वियतनाम में सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि सम्बद्ध देश में सम्बद्ध वस्तु की कीमत के बारे में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कोई सूचना नहीं है। वियतनाम को तीसरे देशों से डीवीडी-आर की निर्यात कीमत के बारे में रिकार्ड में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है क्योंकि सम्बद्ध वस्तु का केवल डीवीडी-आर के लिए कोई विशिष्ट आई टी सी एच एस कोड नहीं है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर प्रमुख निविष्टि की कीमत लेकर सामान्य मूल्य परिकलित किया है। उत्पादन की प्रति इकाई कच्ची सामग्री की खपत और परिवर्तन लागत पर रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना/आंकड़ों के आधार पर विचार किया गया है। बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत को रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना/आंकड़ों के आधार पर लिया गया है। लाभ को कारखाना लागत के 5 प्रतिशत की दर से लिया गया है जिसमें ब्याज शामिल नहीं है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य का उल्लेख पाटनमार्जिन की तालिका में किया गया है।

ड.4 निर्यात कीमत :

24. धारा 9 क (1)(ख) के अंतर्गत निर्यात कीमत का तात्पर्य है :

किसी वस्तु के संबंध में "निर्यात कीमत" का तात्पर्य निर्यातक देश या क्षेत्र से निर्यातित वस्तु की कीमत से है अथवा ऐसे मामलों में जहां कोई निर्यात कीमत नहीं है अथवा जहां निर्यातक और आयातक अथवा किसी तीसरे पक्षकार के बीच सहयोग या किसी प्रतिपूरक व्यवस्था के कारण निर्यात कीमत अविश्वसनीय है, वहां निर्यात कीमत का परिकलन उस कीमत के आधार पर किया जा सकता है जिस कीमत पर आयातित वस्तुओं की प्रथम पुनः बिक्री किसी स्वतंत्र क्रेता को की जाती है और यदि उक्त वस्तु की बिक्री किसी स्वतंत्र क्रेता को नहीं की जाती है अथवा आयातित रूप में उसकी पुनः बिक्री नहीं की जाती है, वहां उसका परिकलन ऐसे उचित आधार पर किया जाता है जैसा कि उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित किया जाए;

25. वियतनाम से विचाराधीन उत्पाद के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों से सहयोग के अभाव में वियतनाम से निर्यात कीमत का निर्धारण इम्पैक्स स्टैटिक्स द्वारा प्रदत्त सौदेवार आयात आंकड़ों के आधार पर किया गया है। निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, अंतरदेशीय भाड़े, पत्तन व्यय, हैंडलिंग प्रभार, निकासी प्रभार और बैंक प्रभार हेतु समायोजन किए गए हैं। उपर्युक्त कार्य प्रणाली द्वारा निवल निर्यात कीमत की गणना की गई है जिसका उल्लेख पाटनमार्जिन की तालिका में किया गया है।

ड.5 पाटनमार्जिन:

26. पाटनमार्जिन की पुष्टि भारत औसत सामान्य मूल्य की तुलना भारत औसत निर्यात कीमत के साथ करने की बात की गई है। संबद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के निर्यात हेतु पाटनमार्जिन का निर्धारण किया गया है जिसका उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है:

पाटनमार्जिन की गणना

विवरण — सम्बद्ध देश	जांच अवधि (अमरीकी डालर/000 नग)
सामान्य मूल्य	***
निवल निर्यात कीमत	***
पाटनमार्जिन	***
पाटनमार्जिन %	***
पाटनमार्जिन % (रेंज)	105–115%

क्षतिनिर्धारण हेतु कार्यप्रणाली और क्षति तथा कारणात्मक संबंध की जांच

4.1 घरेलू उद्योग के विचार

घरेलू उद्योग के अनुरोध

27. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि

क. पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद सम्बद्ध वस्तु का भारी मात्रा में आयात पाटित कीमतों पर किया जा रहा है।

ख. मौजूदा उपाय क्षति पहुंचाने वाले पाटन के समाप्त करने के लिए अब पर्याप्त नहीं है।

ग. आयातों से घरेलू कीमत में कटौती हो रही है। ऐसी कीमत कटौती के परिणामस्वरूप बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में अत्यधिक हास हो रहा है। प्रभाव इतना अधिक है कि घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद की बिक्री लागत से कम कीमत पर कर रहा है जिससे घाटा हो रहा है।

घ. घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में वर्ष 2009–10 तक सुधार प्रदर्शित हुआ और उसके बाद 2010–11 में तथा जांच अवधि के दौरान गिरावट आई।

ड. क्षमता उपयोग में 2010–11 तक वृद्धि हुई परन्तु जांच अवधि में भारी गिरावट आई।

च. वर्तमान शुल्क सम्बद्ध देश के बारे में पाटन तथा घरेलू उद्योग की परिणामी क्षति को समाप्त करने में असमर्थ है।

छ. घरेलू उद्योग को पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद क्षति अवधि के दौरान वित्तीय घाटा हो रहा है। याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि यदि लागू शुल्क पाटन और परिणामी क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त था तो उद्योग उस स्थिति से बेहतर स्थिति में होता जो इस समय देखी जा रही है।

ज. घरेलू उद्योग के नकद लाभ में 2009–10 तक वृद्धि हुई और उसके बाद गिरावट आई।

झ. घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तर और प्रदत्त मजदूरी में जांच अवधि के दौरान गिरावट आई। उत्पादकता की प्रवृत्ति भी उत्पादन के अनुरूप रही।

ट. मालसूची के स्तर जिसमें 2010–11 तक वृद्धि हुई थी, उसमें जांच अवधि के दौरान गिरावट आई। तथापि, घरेलू उद्योग के पास मालसूची का स्तर काफी अधिक बना हुआ है।

ठ. पाटित आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में गिरावट प्रदर्शित हुई है। लाभ और निवेश पर आय नकारात्मक बनी हुई है।

ड. यदि लागू शुल्क पाटन और परिणामी क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त था तो उद्योग उस स्थिति से बेहतर स्थिति में होता जो इस समय देखी जा रही है।

ढ. यदि मौजूदा उपाय में संशोधन नहीं किया जाता है तो पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति और गंभीर हो जाएगी।

ण. घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई कीमत निर्धारण के कारण वर्तमान पाटनरोधी शुल्क में वृद्धि न किए जाने की स्थिति में सम्बद्ध देश से आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती होती रहेगी। यदि वर्तमान स्थिति जारी रहती है तो घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध एकमात्र विकल्प कीमत में सुधार करना/कमी करने का होगा जिससे बाजार में कीमत में और अधिक हास होगा।

त. यदि घरेलू उद्योग अपनी कीमत में आगे और कमी करता है तो उसकी लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद प्रवाह पर आगे और प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

थ. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदंडों से सामूहिक तथा संचयी रूप से इस बात की पुष्टि होती है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ड. 2 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और हितबद्ध पक्षकारों के विचार

28. क्षति निर्धारण के बारे में किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक या अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई टिप्पणी या अनुरोध दायर नहीं किया है।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

29. अनुबंध-11 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा प्रयाप्त स्तर तक बढ़ गई होती। "

30. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन जैसे घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है।

31. वर्तमान जांच लागू पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा जांच है। नियम 23 में उपबंध है कि नियम 11 के उपबंध आवश्यक परिवर्तनों के आधार पर समीक्षा के मामले में भी लागू होंगे। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण आवश्यक परिवर्तनों के साथ अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 के उपबंधों पर विचार करते हुए किया है। इसके अलावा, चूंकि विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है इसलिए प्राधिकारी का विचार है कि सम्बद्ध देश से उत्पाद के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करते समय विचार करना अपेक्षित है। प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या मौजूदा उपाय क्षति पहुंचाने वाले पाटन को समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है। वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के मात्रात्मक और कीमत प्रवाहों की जांच की है।

32. प्राधिकारी ने नियमों के अनुसार क्षति मापदंडों का विश्लेषण किया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं।

पाटित आयातों की मात्रा

33. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करने अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II(ii) में निम्नानुसार उपबंध है:

‘पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है।’

क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के आयात निम्नानुसार रहे थे:

आयात— मात्रा	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
वियतनाम—सम्बद्ध देश	लाख नग	576	521	223	276
ऐसे देश जिन पर पहले से शुल्क लागू है	लाख नग	469	350	135	18
अन्य देश	लाख नग	107	122	175	280
कुल आयात	लाख नग	1,151	993	533	574

34. यह नोट किया जाता है कि सम्बद्ध देश से आयातों में 2010-11 तक गिरावट आई और उसके बाद जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई। यह नोट किया जाता है कि यद्यपि आधार वर्ष से जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु के आयात की मात्रा में गिरावट आई है तथापि, पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद भी सम्बद्ध देश से आयातों की मात्रा काफी अधिक है। तीसरे देशों से आयातों का देश में सम्बद्ध वस्तु के कुल आयातों में हिस्सा या तो नगण्य है या फिर उनकी निर्यात कीमत अधिक है।

मांग और बाजार हिस्से का निर्धारण

35. विचाराधीन उत्पाद की घरेलू खपत/मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग तथा अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री मात्रा और भारत में आयातों पर विचार करते हुए किया गया है। घरेलू उद्योग ने गौण स्रोतों से सौदेवार आयात सूचना प्रस्तुत की थी। जांच के दौरान डीजीसीआईएंडएस से आयातों के बारे में सौदेवार सूचना मांगी गई थी जो प्राप्त हो गई थी और जिसकी जांच की गई है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा इम्पेक्स स्टैटिक्स सर्विसेज से उपलब्ध कराए गए सौदेवार आयात आंकड़ों की भी जांच की है। वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ विभिन्न स्रोतों से सम्बद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा तथा मूल्य का निर्धारण करने के लिए इम्पेक्स स्टैटिक्स में सूचित सौदेवार आंकड़ों पर भरोसा किया गया है क्योंकि इम्पेक्स स्टैटिक्स से सूचित आयात की मात्रा अधिक है (विभिन्न सीमाशुल्क टैरिफ शीटों से सूचित संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण)। इस प्रकार निर्धारित मांग निम्नानुसार है:

मांग	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	लाख नग	3,604	5,926	5,621	5,576
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	लाख नग	0	0	422	836
वियतनाम—सम्बद्ध देश	लाख नग	576	521	223	276
ऐसे देश जिन पर पहले से शुल्क लागू है	लाख नग	469	350	135	18
अन्य देश	लाख नग	107	122	175	280
कुल मांग/खपत	लाख नग	4,755	6,919	6,575	6,986

36. यह देखा जाता है कि क्षति अवधि के दौरान भारत में उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि सम्बद्ध देश से हुए आयातों में पूर्ववर्ती वर्ष से जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है (आयातों में आधार वर्ष से जांच अवधि तक गिरावट आई है) तथापि, घरेलू उद्योग की बिक्री में 2009-10 तक वृद्धि हुई और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई।

निर्यात कीमत :

37. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नानुसार निर्धारित है :

‘नियम 18 के उप नियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की जा रही है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में अत्यधिक मात्रा में कमी करना है या ऐसी कीमत को रोकना है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।’

38. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अत्यधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है या होने वाली उस कीमत वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती। निर्यातित उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच संबद्ध उत्पाद के लिए तुलना की गई थी। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत का निर्धारण व्यापार के समान स्तर पर सभी रिबेटों और करों को छोड़कर किया गया है।

कीमत कटौती

39. कीमत कटौती मार्जिन का निर्धारण नीचे किया गया है :

पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत कटौती-संबद्ध देश	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
आयातों की पहुंच कीमत	रु./नग	***	***	***	***
निवल बिक्री कीमत	रु./नग	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./नग	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती (रेंज)	%	15-25	15-25	35-45	45-55

40. इस संबंध में प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं :

- क. आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही है ।
- ख. क्षति अवधि के दौरान कीमत कटौती के स्तर में वृद्धि हुई है ।
- ग. वर्ष 2008-09 से कीमत कटौती के स्तर में भारी वृद्धि हुई है जो मूल मामले के लिए भी जांच अवधि थी ।

कीमत न्यूनीकरण, कीमत ह्रास तथा कम कीमत पर बिक्री

41. घरेलू उद्योग की लागत और कीमत उतार-चढ़ाव की तुलना क्षति अवधि के दौरान की गई है ताकि यह जांच की जा सके कि क्या पाटित आयातों के प्रभाव से कीमत में अत्यधिक सीमा तक ह्रास हुआ है अथवा होने वाली उस कीमत वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती ।

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
आयातों की पहुंच कीमत	रु./नग	4.72	4.43	3.31	3.27
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	70	69
उत्पादन की लागत	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	83	92	100
बिक्री कीमत	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	100	113

42. यह देखा जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में उस सीमा तक ह्रास हुआ है जिससे घरेलू उद्योग उस कीमत पर विचाराधीन उत्पाद की बिक्री करने के लिए बाध्य हुआ है जो उत्पादन लागत से काफी कम है, जिससे वित्तीय घाटा हुआ है । क्षति अवधि के दौरान कीमत में कोई ह्रास नहीं देखा गया है ।

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
आयातों की पहुंच कीमत	रु./नग	4.72	4.43	3.31	3.27
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	70	69
उत्पादन की लागत	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	83	92	100
पॉलीकार्बोनेट की लागत	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	76	103	117
पॉलीकार्बोनेट	रु./किग्रा ¹⁰	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	83	111	125

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क अप्रैल, 2010 में लगाया गया था । पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य में भारी गिरावट नोट की गई है । ऐसा डीवीडी-आर के विनिर्माण में प्रयुक्त प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् पॉलीकार्बोनेट की कीमत में वृद्धि के बावजूद हुआ है ।

44. कम कीमत पर बिक्री का निर्धारण करने के लिए संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । जांच अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री मार्जिन अत्यधिक माना गया है ।

वियतनाम (संबद्ध देश)	Rs/Pcs	US\$/000'Pcs
क्षतिरहित कीमत (एन आई पी)	***	***
आयातों की पहुंच कीमत	3.27	67.96
क्षति मार्जिन	***	***
क्षति मार्जिन %	***	***
क्षति मार्जिन % (रेंज)	125-135	125-135

घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंड

45. नियमावली के अनुबंध-11 में यह अपेक्षित है कि क्षति के विश्लेषण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। तथापि, वर्तमान जांच एक मध्यावधि समीक्षा जांच होने के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण आवश्यक परिवर्तनों के आधार पर किया जाना अपेक्षित है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या मौजूदा उपाय क्षति पहुंचाने वाले पाटन को समाप्त करने के लिए पर्याप्त हैं। घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है।

संबद्ध देशों से आयात, आयातों का बाजार हिस्सा तथा मांग

46. घरेलू बिक्री पर पाटित आयातों के प्रभाव और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की जांच नीचे की गई है।

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	लाख नग	3,604	5,926	5,621	5,576
अन्य भारतीय उत्पादों की बिक्री	लाख नग	0	0	422	836
वियतनाम-संबद्ध देश	लाख नग	576	521	223	276
ऐसे देश जिन पर पहले से शुल्क लागू है	लाख नग	469	350	135	18
अन्य देश	लाख नग	107	122	175	280
कुल मांग	लाख नग	4,755	6,919	6,575	6,986
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	75.79	85.64	85.49	79.81
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	-	-	6.41	11.97
वियतनाम - संबद्ध देश	%	12.11	7.53	3.39	3.95
ऐसे देश जिन पर पहले से शुल्क लागू है	%	9.86	5.06	2.05	0.25
अन्य देश	%	2.24	1.76	2.66	4.01

यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वर्ष 2010-11 तक वृद्धि हुई और उसके बाद जांच अवधि के दौरान मामूली गिरावट आई जबकि संबद्ध देश के बाजार हिस्से में 2010-11 तक गिरावट आई और उसके बाद जांच अवधि में वृद्धि हुई है ।

उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग, बिक्री

47. घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा से संबंधित सूचना निम्नानुसार है—

अवधि	यूओएम	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
क्षमता	लाख नग	16,087	19,631	19,474	19,222
उत्पादन	लाख नग	12,171	15,293	15,222	14,035
क्षमता उपयोग	%	75.66	77.89	78.17	73.02
घरेलू बिक्री	लाख नग .	3,604	5,926	5,621	5,576

48. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन, घरेलू बिक्री और क्षमता उपयोग में 2010-11 तक सुधार हुआ और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई ।

लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह

49. घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह की जांच नीचे की गई है ।

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
प्रति इकाई लाभ/हानि	रू./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-41	-60	-51
घरेलू बिक्री पर लाभ/हानि	लाख रू0	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-67	-94	-80
ब्याज पूर्व लाभ	लाख रू0	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-34	-82	-55
नकद लाभ	लाख रू0	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	585	351	415
नियोजित पूंजी	लाख रू0	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	144	103	83
निवेश पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-24	-79	-66

50. यह नोट किया जाता है कि समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने वर्ष 2009-10 में आई गिरावट की सीमा तक निरंतर वित्तीय घाटा उठाया है और उसके बाद उसमें पुनः वृद्धि हुई है । जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हुआ है । अतः यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से प्रचालन निष्पादन के बारे में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार होना चाहिए था । परंतु यह सुधार अल्पावधिक रहा और घरेलू उद्योग का प्रचालन निष्पादन निराशाजनक बना रहा ।

51. आगे यह नोट किया जाता है कि निवेश पर आय में भी लाभ के समान प्रवृत्ति रही है । समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवेश पर आय नकारात्मक रही थी । खास तौर पर निवेश पर आय के बारे में घरेलू उद्योग के निष्पादन में वर्ष 2009-10 में मामूली सुधार हुआ और उसके बाद गिरावट आई । तथापि, समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग घाटे में रहा था ।

52. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि, घरेलू उद्योग ने वर्ष 2008-09 में नकारात्मक नकद लाभ कमाया, तथापि, वर्ष 2009-10 में और उसके बाद नकद लाभ सकारात्मक हो गया था । आगे यह नोट किया जाता है कि यद्यपि, घरेलू उद्योग के निष्पादन में इस अवधि के दौरान सुधार हुआ, तथापि, उत्पाद के बढ़े हुए पाटन के कारण वह प्रतिकूल रहा और उसे क्षति पहुंची ।

रोजगार एवं मजदूरी

53. घरेलू उद्योग की रोजगार और मजदूरी की स्थिति निम्नानुसार रही है :-

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
रोजगार — पीयूसी	सं०	***	***	***	***
प्रवृत्ति	%	100	121	127	117
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	%	100	119	117	110

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तर में वर्ष 2010-11 तक वृद्धि हुई और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई। प्रदत्त मजदूरी में 2009-10 में वृद्धि और उसके बाद गिरावट प्रदर्शित हुई है।

उत्पादकता

55. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

उत्पादकता	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
प्रति कर्मचारी	लाख नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	%	100	104	99	99
प्रति दिवस	लाख नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	%	100	126	125	115

56. घरेलू उद्योग की प्रति कर्मचारी उत्पादकता में 2009-10 में सुधार हुआ और उसके बाद जांच अवधि के दौरान मामूली वृद्धि दर्ज करने से पूर्व 2010-11 में गिरावट आई।

मालसूची

57. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की मालसूची के स्तर की जांच की है जो निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

विवरण	यू ओ एम	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
औसत मालसूची	लाख-नग	2,408	3,031	3,579	2,845
प्रवृत्ति	%	100	126	149	118

58. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की मालसूची के स्तर में वर्ष 2010-11 तक वृद्धि हुई और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई। तथापि, आधार वर्ष, जो मूल जांच में जांच अवधि भी थी, की तुलना में जांच अवधि में मालसूची के स्तर में वृद्धि हुई।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

59. वियतनाम से आयात कीमतें, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा पर विचार करने के बाद घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत प्रभावित कर सकने वाले पाटित आयातों से इतर कारकों से यह पता चलता है कि आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत से काफी कम है जिससे भारतीय बाजार में कीमत में अत्यधिक कटौती और कम कीमत पर बिक्री हो रही है। इस प्रकार, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत है।

पूंजी जुटाने की क्षमता

60. यह नोट किया जाता है कि यदि वर्तमान स्रोत से पाटन जारी रहता है तो घरेलू उद्योग की पूंजी जुटाने की क्षमता प्रभावित होगी।

वृद्धि

61. घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मापदंडों की जांच करने के बाद प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ आदि जैसे मात्रा एवं कीमत, दोनों मापदंडों में 2009-10 तक सुधार प्रदर्शित होता है और उसके बाद लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद उनमें गिरावट प्रदर्शित होती है। इस प्रकार, मात्रात्मक मापदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि प्रतिकूल है। कीमत मापदंडों के संबंध में वर्ष 2009-10 तक वृद्धि सकारात्मक रही और उसके बाद वृद्धि नकारात्मक हो गई।

पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में वृद्धि	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
उत्पादन	%		25.65	-0.47	-7.79
घरेलू बिक्री मूल्य	%		64.44	-5.14	-0.81
औसत स्टॉक	%		25.85	18.09	-20.52
लगाई गई पूंजी पर आय	%		5.47	-3.98	0.94

कारणात्मक संबंध

62. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से इतर किसी ज्ञात कारक की जांच करना अपेक्षित है ताकि इन अन्य कारकों से हुई क्षति का कारण पाटित आयातों को न माना जा सके। इस संबंध में जो कारक संगत हो सकते हैं, उनमें शामिल हैं : पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमत, मांग में कमी अथवा खपत की पद्धतियों में परिवर्तन, विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास और घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन तथा उत्पादकता। इस बात की जांच की गई थी कि क्या नियमों में सूचीबद्ध इन अन्य मापदंडों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

अन्य देशों से आयात और अन्य ज्ञात कारक

63. अन्य स्रोतों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर या तो पाटनरोधी शुल्क लागू है या फिर उनकी कीमत उच्च है।

मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

64. आंकड़ों से यह पता चलता है कि क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है। मांग में कमी को वह कारण नहीं माना जा सकता जिससे घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रभावित हो सकता है।

विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

65. संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है। प्राधिकारी को घरेलू बाजार में किसी व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार की जानकारी नहीं दी गई है। घरेलू उत्पादक एक दूसरे के साथ और साथ ही साथ संबद्ध वस्तु के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। घरेलू उद्योग की कीमत संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत द्वारा प्रभावित होती है।

प्रौद्योगिकी विकास

66. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु का विशिष्ट बाजार बना हुआ है और प्रौद्योगिकी में ऐसे किसी खास विकास का कोई साक्ष्य नहीं है जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक कारक रहा हो।

घरेलू उद्योग द्वारा निर्यात

67. घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन को पृथक किया गया है और लाभ, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह के निर्धारण हेतु केवल घरेलू बिक्री की सूचना अपनायी गई है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के लिए वित्तीय निष्पादन का विश्लेषण केवल घरेलू बिक्री के लिए किया गया है।

उत्पादकता

68. यह नोट किया जाता है कि उत्पादकता में 2009-10 तक सुधार हुआ और उसके बाद गिरावट आई। तथापि, उत्पादकता में गिरावट इतनी अधिक नहीं है जिसका लाभ अथवा निवेश पर आय पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता हो

उक्त पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने या उसमें परिवर्तन किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने के बारे में कारणात्मक संबंध की पुष्टि करने वाले मापदंड तथा निष्कर्ष

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारकों से यह पता नहीं चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति इन कारकों से हुई है, तथापि निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है :

- क. आयातों की पहुंच कीमत से घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही थी। परिणामतः घरेलू उद्योग को लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमत बढ़ाने से रोका गया है।
- ख. कीमत कटौती के परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता प्रतिकूल बनी हुई है। वस्तुतः पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से इसमें सुधार होने की आशा थी। परिणामतः घरेलू उद्योग के निवेश पर आय और नकद प्रवाह, जिनमें पूर्व में सुधार हुआ था, में एक बार फिर गिरावट आई।
- ग. संबद्ध देश से आयातों की पहुंच कीमत क्षति रहित कीमत से कम थी जिसमें कम कीमत पर बिक्री हुई। कम कीमत पर सतत बिक्री होने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग का प्रचालन निष्पादन बना हुआ है।
- घ. घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में मामूली गिरावट आई है और वह इष्टतम से कम है।

70. यह नोट किया जाता है कि चूंकि इस मध्यावधि समीक्षा में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, सकारात्मक तथा अत्यधिक बने हुए हैं, इसलिए उक्त पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने या उसमें परिवर्तन किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने का आगे विश्लेषण न करना उचित समझा गया है ।

71. उपर्युक्त विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि वियतनाम से संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने और उसमें वृद्धि होने की संभावना है ।

क्षति मार्जिन

72. क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । क्षति मार्जिन निम्नानुसार निकाला गया है । निकाला गया क्षति मार्जिन काफी अधिक माना गया है ।

वियतनाम (संबद्ध देश)	रु०/नग	अम.डा./000'नग
क्षति रहित कीमत (एनआईपी)	***	***
आयातों की पहुंच कीमत	3.27	67.96
क्षति मार्जिन	***	***
क्षति मार्जिन%	***	***
क्षति मार्जिन % (रेंज)	125-135	125-135

भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

73. प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं । तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी । इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहारों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं हेतु उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव पड़ेगा ।

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः व्यापार के अनुचित व्यवहारों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं हेतु उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव पड़ेगा ।

अंतिम जांच परिणाम

75. हितबद्ध पक्षकारों को दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों तथा हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध के जरिए प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों अथवा उपर्युक्त जांच परिणाम में अन्यथा दर्ज किए गए तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- i. भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और वियतनाम से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन काफी ज्यादा तथा न्यूनतम सीमा से अधिक है । मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध वस्तु का भारत को पाटित कीमतों पर निर्यात जारी है ।
- ii. मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद वियतनाम से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है । इसके अलावा, यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क की राशि में वृद्धि नहीं की जाती है तो घरेलू उद्योग को क्षति में वृद्धि होने की संभावना है ।
- iii. मौजूदा उपाय क्षति पहुंचाने वाले पाटन को समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है ।

76. यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि उत्पाद का पाटित कीमतों पर निर्यात जारी है और घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक बनी हुई है तथा वियतनाम से पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की वर्तमान राशि अपर्याप्त है, प्राधिकारी का मत यह है कि संबद्ध देश से आयातों के संबंध में उपाय को बढ़ाना अपेक्षित है । तदनुसार, प्राधिकारी वियतनाम से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की राशि में निम्नलिखित तालिका में विनिर्दिष्ट दरों के अनुसार वृद्धि करना उचित समझते हैं और उसकी सिफारिश करते हैं ।

77. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । क्षति मार्जिन की मात्रा के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना क्षति अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के साथ की गई है । तदनुसार, वियतनाम के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है ।

क्र.सं.	टैरिफ मद	वस्तु का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	8523	* डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क रिकॉर्डेबल	वियतनाम	वियतनाम	कोई	कोई	73.01	प्रति 1000 नग	अम.डा.
2	8523	- वही -	वियतनाम	ऐसे देशों जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से इतर कोई देश	कोई	कोई	73.01	प्रति 1000 नग	अम.डा.
3	8523	- वही -	ऐसे देशों जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से इतर कोई देश	वियतनाम	कोई	कोई	73.01	प्रति 1000 नग	अम.डा.

* “सभी प्रकार की डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क (डीवीडी)” रिकॉर्डेबल/ऐसे उत्पादों में डीवीडी-आर, डीवीडी+ आर, डीवीडी-आरडब्ल्यू, डीवीडी+ आर डब्ल्यू शामिल हैं ।

78. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी शुल्क शामिल होंगे ।

79. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th October, 2013

FINAL FINDING

Subject: Mid-Term Review (MTR) investigation with regard to anti-dumping duties imposed on imports of Recordable Digital Versatile Disc [DVD] of all kinds originating in or exported from Vietnam- Final Finding.

F. No. 15/5/2012-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended (hereinafter referred to as Rules), the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority) initiated a midterm review of antidumping duty imposed on "Recordable Digital Versatile Disk (DVD) of all kinds (hereinafter referred to as subject goods) from Vietnam (hereinafter referred to as subject country) on 16th August, 2012 to review the need for continued imposition of anti-dumping duty, and whether the quantum of anti-dumping duty is required to be modified in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and AD Rules. It is recalled that the original investigation was initiated on 5th May, 2009 against imports of Recordable Digital Versatile Disk (DVD) of all kinds originating in or exported from Malaysia, Thailand and Vietnam. The provisional anti-

dumping duty was imposed on imports of subject goods from Malaysia, Thailand and Vietnam vide Customs notification no. 48/2010-CUS dated 12th April, 2010 on the basis of the preliminary findings of the Authority issued on 13th November, 2009. The final findings was notified vide notification dated 2nd July, 2010 and the Department of Revenue imposed definitive anti-dumping duties on the subject goods from Malaysia, Thailand and Vietnam vide notification no. 98/2010-CUS dated 28th September, 2010.

2. And whereas the Rules require the Authority to review, from time to time, the need for continued imposition of Anti-Dumping Duty and if satisfied, on the basis of positive information received that there is no justification for continued imposition of such duty, the authority may recommend to the Central Government appropriately. In terms of the said provision, the Designated Authority received an application from M/s Storage Media Products Manufacturers & Marketers Welfare Association (hereinafter also referred to as the applicant or petitioner) representing domestic industry substantiating the need for midterm review of the anti-dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from Vietnam (referred to the subject country) and requesting for enhancement/revision of the anti-dumping duty imposed on subject goods from subject country. The domestic industry, amongst the various grounds, submitted that circumstances that were prevalent during the period of investigation of the original investigation have changed significantly leading to a situation when anti-dumping duty on imports of subject goods from Vietnam is lower than the dumping margin and injury margin that is prevailing at present and requested for upward revision in the quantum of anti-dumping duty. This change in circumstances was considered appropriate to initiate a review.

3. Having decided to review the final findings notified vide Notification No 14/16/2009-DGAD dated 2nd July, 2010, the Authority initiated midterm review investigations on 16th August, 2012 under the provisions of Section 9A(5) of the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995, as amended, read with Rule 23 of Anti Dumping Rules to review the need for continued imposition of anti-dumping duty in respect of imports from Vietnam and whether the form or quantum of anti-dumping duty is required to be modified in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and AD Rules. The Central Government accorded permission for extension of time up to 15th October, 2013 for completing the subject anti-dumping investigation and notifying the final findings.

Procedure

4. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

- i. After initiating the review, the Authority sent copies of initiation notification to the Embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, importers and the domestic industry as per the addresses available, and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- ii. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassy of subject country in accordance with Rule 6(3) supra.
- iii. The Authority sent questionnaire, along with the initiation notification, to all known producers and/or exporters in the subject country in accordance with the Rule 6(4) to elicit relevant information. However none of the exporters/producers from the subject countries filed response to the questionnaire.
- iv. The relevant questionnaires were sent to known importers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4). However, none of importers filed any response to questionnaire in the form and manner prescribed.
- v. Investigation was carried out for the period starting from 01.04.2011 to 31.03.2012 (POI). However, injury examination was conducted for a period from 2008-09 to the end of POI.

- vi. Request was made to the Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata to arrange details of imports of subject goods in India for the period of investigation and preceding three years. Information was received from the DGCI&S and the same has also been examined by the Authority.
- vii. The Authority held an oral hearing on 1st May, 2013 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6(6), which was attended by member of Storage Media Products Manufacturers & Marketers Welfare Association representing domestic industry. The parties attending the public hearing were advised to file written submissions of the information presented orally. Authority has considered these written submissions received from interested parties. However, none of the producers/exporters or importers from the subject country attended the public hearing and have not made any submissions. Arguments raised and information/evidence provided by the interested parties during the course of the investigation, to that extent the same are considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority.
- viii. The Authority during the course of investigation satisfied itself as to the adequacy and accuracy of the information supplied. For that purpose, the Authority conducted on-the-spot verification of the domestic industry to the extent considered relevant and necessary. Additional/supplementary details regarding injury were sought from the domestic industry, which were also received.
- ix. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have been considered in this final finding.
- x. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- xi. Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out in accordance with Annexure III of the anti-dumping rules so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- xii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded finding on the basis of the facts available.
- xiii. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xiv. *** in the final finding represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xv. The exchange rate taken in this investigation is Rs. 48.14 for 1 US\$.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE:

- 5. The product involved in the original investigation and in the present midterm review investigation is “Recordable Digital Versatile Disc [DVD] of all kinds”. DVD can be of a number of types, such

as DVD-R, DVD+R, DVD-RW, DVD+RW, mini DVD-R, mini DVD-RW. A DVD can be recorded once or several times. DVD-R and DVD+R discs can be either single or double-sided. A single-sided (SS) disc is composed of a recording side and a dummy side while a double-sided (DS) disc consists of two recording sides. The recording side of a DVD-R and DVD+R disc is a sandwich of a number of layers.

C.1 Views of the Importers, Consumers, Exporters and Other Interested Parties

6. None of the importers, consumers, exporters and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to product under consideration, and like articles.

C.2 Views of the Domestic Industry

7. Present investigation is a mid-term review investigation. The Designated Authority has examined the issue of product under consideration and like article in the previous investigations, which is relied upon. The petitioner requested the Designated Authority to consider and uphold the findings of the previous investigations on product under consideration and like article.

C.3 Examination By The Authority

8. The product involved in the original investigation and in the present midterm review investigation is "Recordable Digital Versatile Disc [DVD] of all kinds". DVD can be of a number of types, such as DVD-R, DVD+R, DVD-RW, DVD+RW, mini DVD-R, mini DVD-RW. A DVD can be recorded once or several times. DVD-R and DVD+R discs can be either single or double-sided. A single-sided (SS) disc is composed of a recording side and a dummy side while a double-sided (DS) disc consists of two recording sides. The recording side of a DVD-R and DVD+R disc is a sandwich of a number of layers.

- Mastering : A process of forming a master for optical disks, generally referred to as "mastering", is where a nickel or the like metallic master, i.e., "stamper", is formed at its final step. A large number of optical disks are duplicated with use of the stamper as a mold in a succeeding molding process.
- Moulding: First comes a polycarbonate plastic substrate containing a shallow spiral groove extending from the inside to the outside diameter of the disc.
- Dye Coater: In this section an organic dye recording layer (AZO) is applied on blank substrate. This layer acts as recording layer. Dye is applied using spin coating and the metal layers by means of DC sputtering.
- Sputter (Metallizing): A metal reflective layer is applied on disc (silver).
- Bonding: An adhesive then bonds two recording sides (for a double-sided) or a recording and dummy side (for a single-sided) together into the final disc. Some single-sided discs are also topped on the dummy side with decorations or additional layers that provide surfaces suitable for labeling by inkjet, thermal transfer or re-transfer printers. Bonding is done by using a hot melt, UV cationic or free radical process.
- Printing: Then required printing design is applied by screen printing method.
- Construction of DVD-RW and DVD+RW: To allow information to not only be written but also re-written many times over, DVD-RW, DVD+RW disc construction is more complex than that of DVD-R and DVD+R (recordable). Just like a recordable disc, a rewritable disc can be either single or double-sided. The recording side of a rewritable disc also uses multiple layers beginning with a polycarbonate plastic substrate containing a shallow spiral groove extending from the inside to the outside diameter of the disc.
- Next comes a dielectric layer (zinc sulfide and silicon dioxide), followed by a phase-change alloy recording layer (either indium, silver, tellurium and antimony or germanium, tellurium and antimony), another dielectric layer and a metal reflective layer (silver, silver alloy, aluminum). Additional layers may also be incorporated above or below the dielectric layers

(germanium nitride, silicon carbide, silicon dioxide, silicon nitride, zinc sulfide, antimony telluride and others).

- The dummy side consists of a flat polycarbonate plastic substrate sometimes with an additional metal layer. An adhesive then bonds the sides together into a single disc.
9. The product is classified under Chapter 85 of the Customs Tariff Act under custom subheading no. 85232920, 85232950, 85232970, 85234040, 85234050, 85234060; 85234080, 8523409, 85238090, 85235290, 85238050, 85239010, 85239040, 85239050 and 85239090. However, the said Customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.
 10. Having regard to the evidence on record and initiation notification, the Authority considers it appropriate to keep the scope of the product under consideration to the same as was considered before.
 11. In order to determine whether goods produced by the domestic industry can be considered like article to the goods produced and/or exported from the subject countries, it is noted that the issue has been examined by the Authority and no submissions has been received by the Authority, opposing previous determination of the Authority. The Authority, after due examination, holds that the material produced by the domestic industry is like article to the goods imported or produced in subject countries within the meaning of the Rules.

D. DOMESTIC INDUSTRY

12. The petition was filed by M/s. Storage Media Products Manufacturers & Marketers Welfare Association on behalf of the domestic industry. One of its member companies, M/s. Moser Baer India Ltd has provided relevant financial information.

D.1 Views of Domestic Industry

13. The petition was filed by Storage Media Products Manufacturers & Marketers Welfare Association on behalf of the producers of Recordable Digital Versatile Disk (DVD) of all kinds. One of its member companies M/s. Moser Baer India Ltd has provided relevant financial information to file the application for the review and enhancement of anti dumping duty in force on imports of DVD from Vietnam. From the mentioned data in the petition, it is evident that - (a) the Petitioner's production accounts for major proportion in Indian production; (b) the application has been made by or on behalf of the Domestic Industry. In view of the foregoing, it was submitted that the Petitioner satisfy the requirement of standing to file the petition. Petitioner Company constitutes 'Domestic Industry' in terms of AD Rules

D.2 Views of the Exporters, Importers, Consumers and Other Interested Parties

14. None of the importers, consumers, exporters or other interested parties have made any comment or submissions with regard to the standing of the petitioner and its consideration as domestic industry.

D.3 Examination by the Authority

15. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under :

"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers".

16. The review investigation has been initiated on the basis of a duly substantiated request submitted by M/s. Storage Media Products Manufacturers & Marketers Welfare Association in terms of Rule 23 of the Rules. M/s. Moser Baer India Ltd. has provided relevant financial information to file the application for the review and enhancement of anti dumping duty in force on imports of DVD from Vietnam. No objection have been received from any interested party on the claim and status of the

petitioner. The information available on records establishes that the production of the petitioner constitutes a major proportion (87%) in Indian production and no other domestic producer has provided relevant information despite opportunity having been provided to them. The other producers i.e Euro Multivision Ltd., Jupital International Ltd., Nextstar Digital account of balance 13% of the Indian production. The Authority therefore holds that the petitioner constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the rules supra.

E. DUMPING MARGIN

17. Under section 9A(1)(c) normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

E.1 Views of Domestic Industry

18. The views of the domestic industry in this regard are as follows:

- a) None of the exporters/producers from subject country have responded to the questionnaire issued by the Authority. Exporters/producers should therefore be considered non-cooperative as per Rule 6(8) and the Authority should proceed according to the best information available.
- b) The major exporter from Vietnam namely M/s Ritek Vietnam Co. Ltd. has responded in all the investigations conducted by the Designated Authority on the product under consideration and on CDRs barring the present investigation. This clearly shows that the company is well aware that they are dumping the product in the Indian market but has preferred non cooperation with the Designated Authority in the present investigation.
- c) Change in normal value or export price in itself is sufficient to constitute changed circumstance. In the instant case, it is not only change in the normal value or export price alone, both the parameters have undergone a change. While normal value has increased, the export price has declined. Thus, the dumping margin has undergone a significant change.
- d) Petitioner has considered the changes in the normal value on the basis of changes in the cost of production due to change in price of polycarbonate, which constitutes the substantial.
- e) There is almost 34% drop in the import price of DVD from Vietnam. This drop in the prices is despite the facts that (a) polycarbonate constitutes almost 61% of raw materials costs, (b) materials cost forms the sustainable part of the cost of production, (c) polycarbonate prices have increased in US\$ terms by 15%. Evidently, the decline in the prices is not driven by cost declines. The decline in prices is a clear reflection of intensified dumping of the product in the Country.
- f) Dumping margin has increased significantly after the previous investigation.

Comments of the domestic industry after issuance of Disclosure statement

19. The following are the comments on the disclosure statement :

- a. The dumping margin and injury margin in the present investigation period is much higher than the dumping margin and injury margin that has prevailed at the time of original investigation.
- b. The Ritek has responded in the original investigation but has not cooperated in the present investigations. The Designated Authority should apply best available information to determine injury.
- c. The present mid-term review was sought in view of intensified dumping and injury. The disclosure statement establishes that dumping has intensified and the domestic industry is suffering injury.
- d. Whereas cost of production has increased because of increase in raw material prices, import price has declined. The exporter has thus absorbed the anti-dumping duty.
- e. The current quantum of anti dumping duty is required to be enhanced.
- f. The anti-dumping duty may be recommended on fixed quantum basis, expressed in US\$, considering that the existing duty is on fixed amount basis.

E.2 Views of the Exporters, Importers, Consumers and Other Interested Parties

20. None of the importers, consumers, exporters or other interested parties has made any comment or submissions with regard to the dumping margin determination.

E.3 Examination by the Authority

21. The Authority has examined the issues raised by interested parties in the appropriate headings in this final findings.

Normal Value in Vietnam

22. The Authority notes that none of the producers/exporters from Vietnam has filed any response. As information about actual domestic sales price, information on exports to third country or cost of production in Vietnam and other information as per the questionnaire have not been furnished by any producer/exporter in that country; the Authority has relied upon the best available information for determination of normal value. The petitioner has provided details of normal value in Vietnam on the basis of constructed cost of production.
23. In the absence of any response from the exporters in the form and manner prescribed, the Authority has determined normal value in Vietnam on the basis of estimates of cost of production in accordance Section 9A(1)c read with Rule 6(8) supra. It is noted in this regard that there is no publicly available information with regard to price of the subject goods in the subject country. There is no information on records or available with regard to export price of DVD-R from other countries to Vietnam as subject goods do not have a dedicated ITC HS code only for DVD-R. In view of the above, the Authority has constructed the normal value by taking prices of major inputs on the basis of prevailing international price. Consumption of raw materials per unit of production and the conversion costs have been considered on the basis of best information/data available on record. Selling, general & administrative costs have been taken on the basis of best information/data available on record. Profit has been taken @ 5% of ex-factory costs, excluding interest. The normal value so determined is mentioned in the dumping margin table.

E.4 Export price

24. Under section 9A (1) (b) export price means:

“export price”, in relation to an article, means the price of the article exported from the exporting country or territory and in `cases where there is not export price or where the export price is unreliable because of association or a compensatory arrangement between the exporter and the importer or a third party, the export price may be constructed on the basis of the price at which the imported articles are first resold to an independent buyer or if the

article is not resold to an independent buyer, or not resold in the condition as imported, on such reasonable basis as may be determined in accordance with the rules made under sub-section (6).

25. None of the producers/exporters of the product under consideration from Vietnam has responded to the Designated Authority. In the absence of cooperation from the foreign producers/exporters, the export price from Vietnam has been determined on the basis of the transaction-wise imports data provided by Impex Statistics. The adjustments on account of ocean freight, marine insurance, inland freight, port expenses, handling charges, clearing charges and bank charges have been made to determine the net export price. By above methodology, the net export price has been calculated which is mentioned in the dumping margin table.

E.5 Dumping Margin

26. The dumping margin has been established on the basis of a comparison of weighted average normal value with weighted average export price. The dumping margin for exports of the subject goods from the subject countries is assessed as given in the table below:

Dumping Margin Calculation:

Vietnam – Subject Country	POI (US\$/’000’Pcs)
Normal value	***
Net Export Price	***
Dumping margin	***
Dumping margin %	***
Dumping margin % (Range)	105-115%

METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

F.1 VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

Submissions by domestic industry

27. The domestic industry has submitted that
- There are significant volumes of subject goods which are being imported at dumped prices in spite of anti-dumping duty being in force.
 - Existing measure are no longer sufficient to counteract the dumping which is causing injury.
 - Imports are undercutting the domestic prices. Such price undercutting is resulting in significant suppression of the prices of the domestic industry in the market. The effect is such that the domestic industry is selling the product under consideration below cost thereby suffering losses.
 - Production and sales of the domestic industry has shown some improvement up to 2009-10 but thereafter declined in the year 2010-11 and during period of investigation.
 - The capacity utilization increased up to 2010-11 but declined significantly during period of investigation.
 - The present duty is unable to address the dumping and consequent injury to the domestic industry with respect to subject country.
 - Domestic industry continued to suffer financial losses during the injury period despite anti-dumping duty in existence. The petitioner submits that if the duty imposed was adequate to address

dumping and consequent injury then the industry would have been in far healthier situation than what has been witnessed by it at present.

- h. Cash profits of the domestic industry has increased in the year 2009-10 but thereafter declined.
- i. Employment level and wages paid of the domestic industry has declined during period of investigation. Productivity has moved in tandem with production.
- j. Inventory levels, which increased till 2010-11 declined during POI. However, inventory levels with the domestic industry continued to be significant.
- k. Production, sales and capacity utilization of the domestic industry has shown deterioration despite existing anti dumping duty on dumped imports. Profits and return on investments continued to be negative.
- l. If the duty imposed was adequate to address dumping and consequent injury then the industry would have been in far healthier situation than what has been witnessed by it at present.
- m. In the event the existing measures are not revised, dumped imports would aggravate the injury caused to the domestic industry.
- n. Given the pricing followed by domestic industry, should the present anti-dumping duties not be enhanced, imports from the subject country shall continue to cause significant price undercutting. Should the current situation continue, the only available option with the domestic industry would be to take price correction/reduction, which would lead to further price depression in the market;
- o. Should the domestic industry further reduce its price, its profitability, return on investment and cash flow would be further adversely affected.
- p. Various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury.

E.2 Views of the Exporters, Importers, Consumers and Other Interested Parties

- 28. None of the importers, consumers, exporters or other interested parties has made any comment or submissions with regard to the injury determination.

F.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 29. Rule 11 of Anti-dumping Rules read with Annexure–II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to suppress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
- 30. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.
- 31. The present investigations are midterm review investigations of anti-dumping duties in force. Rules 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply, mutates mutandis basis, in case of a review as well. The Authority has therefore determined injury to the domestic industry considering, mutates mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti-dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considers that the fact of existing anti-dumping duties on the product on imports from subject country is required to be considered while examining injury to the domestic industry. The Authority has examined whether

existing measure is not sufficient to counteract the dumping which is causing injury. For the purpose of current injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of the dumped imports on the domestic industry.

32. The Authority has analyzed injury parameters in accordance with the rules. Information provided by domestic industry on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted, and such information has been treated confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.

Volume of Dumped Imports

33. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the anti-dumping rules provides as under:

“While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative in production or consumption in India.”

Imports of the product under consideration were as follows over the injury period :

Imports -Volume	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Vietnam - Subject Country	Lac.Pcs	576	521	223	276
Countries already attracting duties	Lac.Pcs	469	350	135	18
Other Countries	Lac.Pcs	107	122	175	280
Total Imports	Lac.Pcs	1,151	993	533	574

34. It is noted that imports from subject country declined till 2010-11 but thereafter increased during period of investigation. It is noted that though the volume of imports of subject goods has declined during the POI from base year, the volume of imports from subject country is significant even after imposition of anti-dumping duty. Imports from third countries had either negligible share in total imports of the subject goods in the Country or their export prices were higher.

Assessment of demand and market share

35. Domestic consumption/demand of the product under consideration has been determined considering sales volume of the domestic industry and other Indian producers and imports into India. The domestic industry had submitted transaction-wise import information from secondary sources. During the course of investigation, transaction wise information on imports was sought from DGCI & S, which was received and has been examined. The Authority has also examined the transaction- wise import data provided by the petitioner from IMPEX Statistics Services. The transaction-wise data reported in the IMPEX Statistics data has been relied upon to determine the volume value of imports of subject goods from various sources for the purpose of present review as the volume of imports reported from IMPEX statistics is higher (on account of imports of subject goods reported from different customs tariff heads) . Demand so assessed is as follows :-

Demand	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Sales of Domestic Industry	Lac.Pcs	3,604	5,926	5,621	5,576
Sales of Other Indian Producers	Lac.Pcs	0	0	422	836
Vietnam - Subject Country	Lac.Pcs	576	521	223	276
Countries already attracting duties	Lac.Pcs	469	350	135	18
Other Countries	Lac.Pcs	107	122	175	280
Total Demand/Consumption	Lac.Pcs	4,755	6,919	6,575	6,986

36. It is seen that the demand of the product in India has increased over the period. The Authority notes that whereas the imports from the subject country have increased during period of investigation from previous year (imports have declined from base year to the POI) , sales of the domestic industry increased up to 2009-10 and declined thereafter in the POI.

Price Effect

37. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

38. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. A comparison for product concerned was made between the landed value of exported product and the average selling price of the domestic industry. Selling price of the domestic industry has been determined net of all rebates and taxes, at the same level of trade.

Price undercutting

39. The price undercutting margin is determined as below :

Undercutting without ADD-Subject Country	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Landed price of imports	Rs/Pc.	4.72	4.43	3.31	3.27
Net Selling Price	Rs/Pc.	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs/Pc.	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting (Range)	%	15-25	15-25	35-45	45-55

40. In this regard, Authority notes as under:

- Imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry.
- The levels of price undercutting increased over the injury period.
- The levels of price undercutting have increased significantly since 2008-09 which was also the period of investigation for the original case.

Price suppression, depression and Price underselling

41. The cost and price movement of the domestic industry have been compared over the injury period to examine whether the effect of dumped imports is to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree :

Particular	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Landed price of imports	Rs/Pc.	4.72	4.43	3.31	3.27
Trend	Indexed	100	94	70	69
Cost of Production	Rs/Pc.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	83	92	100
Selling Price	Rs/Pc.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	95	100	113

42. It is seen that the imports of subject goods from subject country are suppressing the price of the domestic industry to such an extent that the domestic industry is forced to sell the product under consideration at prices significantly below cost of production thereby leading to financial losses. There is no price depression noted during the injury period.

Particular	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Landed price of imports	Rs/Pc.	4.72	4.43	3.31	3.27
<i>Trend</i>	Indexed	100	94	70	69
Cost of Production	Rs/Pc.	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	100	83	92	100
Polycarbonate Cost	Rs/Pc.	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	100	76	103	117
Polycarbonate Price	Rs/Kg	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	100	83	111	125

43. The Authority notes that the Anti-Dumping duty on the subject goods from the subject country was imposed in April 2010. Subsequent to the levy of Anti Dumping Duty, a significant decline in the landed value of imports from subject country has been noted. This is despite the increase in the price of major raw material i.e polycarbonate used in the manufacture of DVD-R.
44. The Non-injurious Price for the subject goods has been compared with the landed value of the exports of subject goods from the subject country for determination of price underselling. The price underselling margin during POI is considered significant.

Vietnam (Subject Country)	Rs/Pcs	US\$/000'Pcs
Non-Injurious Price (NIP)	***	***
Landed Price of imports	3.27	67.96
Injury Margin	***	***
Injury Margin %	***	***
Injury Margin % (Range)	125-135	125-135

Economic Parameters Relating to the Domestic Industry

45. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. However, the present investigations being a midterm review investigations, injury to the domestic industry is required to be assessed on mutates mutandis basis.

Further, the Authority has examined whether existing measure is sufficient to counteract the dumping which is causing injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

Imports from Subject countries, Market share of imports and Demand:

46. The effects of the dumped imports on the domestic sales and the market shares of the domestic industry have been examined as below:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Sales of Domestic Industry	Lac.Pcs	3,604	5,926	5,621	5,576
Sales of Other Indian Producers	Lac.Pcs	0	0	422	836
Vietnam - Subject Country	Lac.Pcs	576	521	223	276
Countries already attracting duties	Lac.Pcs	469	350	135	18
Other Countries	Lac.Pcs	107	122	175	280
Total Demand	Lac.Pcs	4,755	6,919	6,575	6,986
Market Share in Demand					
Sales of Domestic Industry	%	75.79	85.64	85.49	79.81
Sales of Other Indian Producers	%	-	-	6.41	11.97
Vietnam - Subject Country	%	12.11	7.53	3.39	3.95
Countries already attracting duties	%	9.86	5.06	2.05	0.25
Other Countries	%	2.24	1.76	2.66	4.01

It is noted that that the market share of the domestic industry increased till 2010-11 and thereafter declined marginally during period of investigation whereas the market share of the subject country declined till 2010-11 but increased thereafter during period of investigation.

Production, Capacity and Capacity Utilization and Sales

47. Information on capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry has been as under:-

Period	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Capacity	Lac.Pcs	16,087	19,631	19,474	19,222
Production	Lac.Pcs	12,171	15,293	15,222	14,035
Capacity utilisation	%	75.66	77.89	78.17	73.02
Domestic sales	Lac.Pcs	3,604	5,926	5,621	5,576

48. It is noted that the production, domestic sales and capacity utilization of the domestic industry improved upto 2010-11 and then declined in the POI.

Profits, return on investment and cash flow

49. Profits, return on investment and cash flow of the domestic industry has been examined as under:

Particular	Units	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Profit/loss per unit	Rs./Pcs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	-100	-41	-60	-51
Profit/loss on domestic sales	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	-100	-67	-94	-80
Profit before interest	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	-100	-34	-82	-55
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	-100	585	351	415
Capital Employed	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	100	144	103	83
Return on Investment	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	-100	-24	-79	-66

50. It is noted that the domestic industry has suffered continued financial losses throughout the injury period, extent of which declined in 2009-10 and increased once again thereafter. During POI, the domestic industry has suffered significant losses. It is thus noted that the imposition of anti dumping duty should have resulted in improvement in performance of the domestic industry with regard to operating performance. However, the recovery remained short lived and the domestic industry's operating performance continues to be dismal.
51. It is further noted that return on investment has followed the same trend as that of profits. The domestic industry had negative return on investment throughout the injury period. In particular, the performance of the domestic industry with regard to return on investment improved very marginally in 2009-10 and declined thereafter. However, all along during the injury period, the domestic industry was in losses.
52. It is noted that whereas the domestic industry had negative cash profits in 2008-09, the cash profits were positive in 2009-10 and thereafter. It is further noted that even though the performance of the domestic industry improved over the period, yet the same was adverse and deteriorated with the intensified dumping of the product.

Employment and wages

53. Status of employment levels and wages of the domestic industry has been as under:

Particular	Units	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Employment - PUC	Nos.	1,410	1,703	1,788	1,645
<i>Trend</i>	%	100	121	127	117
Wages	Rs. Lacs	6,930	8,235	8,074	7,617
<i>Trend</i>	%	100	119	117	110

54. The Authority notes that employment level with the domestic industry increased till 2010-11 and then declined in POI. Wages paid has shown increase in 2009-10 and decline thereafter.

Productivity

55. The productivity of the domestic industry is given in the following table:

Productivity	Units	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Per Employee	Lac Pcs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	%	100	104	99	99
Per Day	Lac Pcs	34.78	43.69	43.49	40.10
<i>Trend</i>	%	100	126	125	115

56. The Authority notes that productivity per employee of the domestic industry improved in 2009-10 and declined thereafter in 2010-11 before registering a marginal increase during the POI.

Inventories

57. The Designated Authority has examined the inventory level of the domestic industry, which is given in the following table:-

Particular	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Average Inventory	Lac Pcs	2,408	3,031	3,579	2,845
<i>Trend</i>	%	100	126	149	118

58. It is noted that the inventory levels of the domestic industry increased till 2010-11 and then declined in POI. However inventory levels in POI increased as compared to the base year which was also the period of investigation in the original period.

Factors affecting domestic prices

59. Consideration of the import prices from Vietnam, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market show that the landed value of imported material is significantly below the selling price and non injurious price of the domestic industry, causing significant price undercutting and underselling in the Indian market. Thus, most important factor affecting the domestic prices is the landed price of subject goods from subject country.

Ability to raise capital

60. It is noted that should the dumping from the present sources persist, ability of the domestic industry to raise capital would suffer.

Growth

61. On examination of various economic parameters of the domestic industry, the Authority notes that both the volume and price parameters such as production, sales, profits, return on investment, cash profits, etc. of the domestic industry show improvement up to 2009-10 and then it shows decline despite anti dumping duty in force. Thus, the growth of the domestic industry is adverse on the volume parameters. On the price parameters, the growth is positive till 2009-10 and thereafter the growth is negative.

Growth Compared to Previous Year	Units	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Production	%		25.65	-0.47	-7.79
Domestic Sales Volume	%		64.44	-5.14	-0.81
Average stock	%		25.85	18.09	-20.52
ROCE	%		5.47	-3.98	0.94

Causal Link

62. As per the AD Rules, the Designated Authority is, inter alia, required to examine any known factors other than dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in

technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the Rules could have contributed to injury to the domestic industry.

Imports from other countries and other Known Factors

63. Imports of subject goods from other sources are either attracting anti dumping duty, or are at higher prices.

Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

64. The data shows demand of the product under consideration has increased over the injury period. Decline in demand cannot be considered as the factor that could have impacted the performance of the domestic industry.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

65. The subject goods are freely importable. No trade restrictive practices in the domestic market have been brought to the knowledge of the Authority. The domestic producers compete with each other and at the same time with the subject goods. The price of the domestic industry is influenced by the landed price of subject goods.

Development of technology

66. It is noted that the subject goods continues to have niche market and there is no evidence of material developments in technology which could have been a factor of injury to the domestic industry.

Exports by the domestic industry

67. The exports performance of the domestic industry has been segregated and information for domestic sales alone has been adopted for assessment of profits, return on investment and cash flows. Therefore, exports performance could not have affected its information adopted with regard to these parameters. The Authority also notes that the analysis of financial performance for the injury period has been done for the domestic sales only.

Productivity

68. It is noted that productivity improved till 2009-10 but declined thereafter. However, the decline in productivity is not so significant as to have had significant adverse price effect on profits and return on investment.

Parameters establishing causal link and conclusions with regard to continuance or recurrence of injury to the domestic industry if the said anti-dumping duty is removed or varied

69. The Authority notes that while listed known other factors do not show that injury to the domestic industry has been caused by these factors, following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports of subject goods from subject country:
- Landed price of imports were undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, the domestic industry has been prevented from increasing its prices in proportion to increase in costs.
 - As a result of the price undercutting, profitability of the domestic industry continues to be adverse. In fact, the same was expected to improve with the imposition of anti dumping duty. Resultantly, return on investment and cash flow of the domestic industry, which improved earlier, deteriorated once again.
 - The landed prices of imports from subject country were lower than the Non injurious price resulting in price underselling. The operating performance of the domestic industry continues to be adverse as a result of continued price underselling.

d. The capacity utilization of the domestic industry has marginally declined and continues to be suboptimal.

70. It is noted that since dumping margin as well as injury margin in this midterm review continues to be positive and significant, it is considered appropriate not to analyse further the recurrence of injury to the domestic industry if the said anti-dumping duty is removed or varied.
71. From the above analysis, it is concluded that injury to the domestic industry is likely to continue and intensify, if the anti dumping duty imposed on subject goods from Vietnam is removed.

Injury Margin

72. The Non-injurious Price for the subject goods has been compared with the landed value of the exports of subject goods from the subject country for determination of injury margin. The injury margin has been worked out as under: The injury margin as worked out is considered significant.

Vietnam (Subject Country)	Rs/Pcs	US\$/000'Pcs
Non-Injurious Price (NIP)	***	***
Landed Price of imports	3.27	67.96
Injury Margin	***	***
Injury Margin %	***	***
Injury Margin % (Range)	125-135	125-135

Indian industry's interest & other issues

73. The Authority recognizes that imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods.
74. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

FINAL FINDINGS:

75. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis, the Authority concludes that:
- The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margins of the subject goods imported from Vietnam is significant and above de-minimis. The subject goods continue to be exported to India at dumped prices in spite of existing anti dumping duties.
 - The domestic industry continues to suffer material injury on account of dumped imports of subject goods from Vietnam in spite of existing anti dumping duties. Further, should the present anti dumping duties not be enhanced, injury to the domestic industry is likely to intensify.
 - The existing measure is not sufficient to counteract the dumping which is causing injury.

76. Having concluded that the product continues to be exported at dumped prices and the situation of the domestic industry continues to be fragile and the current quantum of anti dumping duty on dumped imports from Vietnam is insufficient, the Authority is of the opinion that the measure is required to be enhanced in respect of imports from the subject country. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends enhancement in the quantum of anti dumping duty on imports of subject goods from Vietnam at the rates specified in the table below,
77. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining extent of injury margin, the landed value of imports has been compared with the non-injurious price of the domestic industry determined for the period of investigation. Accordingly, the antidumping duty equal to the amount mentioned in Col 8 of the table below is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from Vietnam.

S N	Tariff heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	8523	*Digital Versatile Disc Recordable	Vietnam	Vietnam	Any	Any	73.01	Per 1000 pieces	US Dollar
2	8523	- Do -	Vietnam	Any country other than countries attracting anti- dumping duty	Any	Any	73.01	Per 1000 pieces	US Dollar
3	8523	- Do -	Any country other than countries attracting antidumping duty	Vietnam	Any	Any	73.01	Per 1000 pieces	US Dollar

* “Digital Versatile Disc [DVD] Recordable of all kinds”. Such product includes DVD-R, DVD+R, DVD-RW, DVD+RW

78. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
79. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

J. S. DEEPAK, Designated Authority